फीड बैक का विश्लेषण

अभिभावक का फीडबैक (2016–17) का विश्लेषण –

दिनांक 30/06/2017 को अभिभावकों से प्राप्त फीड बैक एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त फीड बैक का विश्लेषण दिनांक 14/07/2017 को किया गया, जिसके अनुसार अभिभावकों ने परिसर की साफ सफाई को कमोवेश सभी ने सराहा था और जो छोटी–मोटी कमियों का उल्लेख अभिभावकों द्वारा प्रथक से इंगित किया गया था उनमें विशेष रूप से बन्द प्रयोगशालाओं की सफाई का प्रकरण उल्लिखित किया गया था। लगभग 70 प्रतिशत से अधिक अभिभावकों ने जनपद में महाविद्यालय के शैक्षणिक स्तर को सर्वोच्च स्थान दिया गया था और अंग्रेजी तथा क्रीडा के क्षेत्र में सुधार की अपेक्षा की गई थी। महाविद्यालय की कैन्टीन की व्यवस्था को 90 प्रतिशत अभिभावकों ने जनपद में उपलब्ध संसाधनों के परिप्रेक्ष में सर्वोत्तम व्यवस्था मानी गयी थी केवल कैन्टी में खाद्य पदार्थो के निर्माण में थोड़े और सुधार का सुझाव दिया गया था। महाविद्यालय की परीक्षा व्यवस्था पर भी अधिकांश अभिभावकों ने विश्वास व्यक्त किया और जो समस्यायें इंगित की गई वे विश्वविद्यालय से सम्बन्धित थी जिसमें महाविद्यालय स्तर से कोई कार्यवाही सम्भव नही थी। ट्रेनिंग और प्लेसमेन्ट एवं क्रीडा गतिविधियों की सुविधा पर लगभग 40 प्रतिशत अभिभावकों ने चिन्ता व्यक्त की थी और इस दिशा में प्रयास की आवश्यकता थी। महाविद्यालय की लाईब्रेरी, वाईफाई, इण्टरनेट सुविधा, परिवहन एवं सुरक्षा व्यवस्था की उत्कृष्टता को देखते हुए 74 प्रतिशत अभिभावकों ने 05 स्टार और 11 प्रतिशत अभिभावकों ने 04 स्टार देकर महाविद्यालय की व्यवस्था पर विश्वास व्यक्त किया था।

कार्यवाही :

दिनांक 14/07/2017 को फीडबैक के विश्लेषण किये गये और विश्लेषण के परिप्रेक्ष्य मे निम्नांकित कार्यवाही के लिए प्राचार्या/प्रबन्धन को संस्तुत किया गया।

– परिसर की साफ–सफाई के प्रति यद्यपि अधिकांश अभिभावकों ने उत्कृष्ट बताया है फिर भी इस दिशा में लगातार जागरूक रहने की आवश्यकता है जिससे इसके स्तर में गिरावट न आये।

– शैक्षणिक स्तर के सर्वोच्च स्तर को बनाये रखने के लिये शिक्षक–शिक्षिकाओं के लिये वर्कशाप आयोजित किया जाये।

– महाविद्यालय की प्रयोगशालाओं में साफ–सफाई के लिए प्रयोगशाला सहायकों और सभी प्रयोगशाला प्रभारियों को निर्देशित किया जाये कि वे प्रयोगशालाओं को मानकों के अनुरूप सुसज्जित रखने के लिये हर सम्भव प्रयास करे।

– कैन्टीन संचालक को यह निदेशित किया जाये कि वे निर्मित समाग्रियों की बिना सेम्पल टेस्टिंग कराये छात्राओं को उपलब्ध न कराये।

– पुस्तकालय में नये पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों की उपलब्धता की समस्या अति गम्भीर रूप से अभिभावकों द्वारा इंगित की गई थी। इस समस्या पर गम्भीरता से विचार किया गया। वस्तुतः उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में संशोधन किये जाने के कारण प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा अस्थाई रूप से शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के पाठ्यक्र को अंगीकृत कर लेने के कारण पुस्तकालय में पूर्व की उपलब्ध पुस्तकें किसी सीमा तक कम उपयोगी रह गयी है इसलिए शिक्षक–शिक्षिकाओं को

निर्देशित किया जा रहा है कि वे उपलब्ध पुस्तकों से पाठ्यक्र के अनुरूप सामाग्रियों को प्रिन्टेड मैटर के रूप में छात्राओं को उपलब्ध कराये।

– सामान्यतः अभिभावकों ने छात्राओं के लिये क्रीडा परिसर में सुझाव के लिये सुझाव दिया गया है। इस सम्बन्ध में शारीरिक शिक्षा विभाग के प्राधायपक एवं प्रभारी श्री बलराम जी को परिसर को उच्चस्तरीय बनाने के लिये निर्देशित किया गया।

– प्रतापगढ़ नगर में कोई भी औद्योगिक प्रतिष्ठान न होने के कारण छात्राओं के ट्रेनिंग और प्रशिक्षण की व्यवस्थ उन्नत किस्म की नही हो पा रही है इसके लिए यह सुझाव दिया गया कि प्रतापगढ़ में चल रहे आँवला उद्योग की फैक्ट्रियों एवं अन्य प्रतिष्ठानों में छात्राओं को प्रशिक्षित कराया जाये तथा फल संरक्षण और हस्तकौशल को बढ़ावा दिया जाये।

अभिभावक का फीडबैक (2017–18) का विश्लेषण –

दिनांक 20/06/2018 को अभिभावकों से प्राप्त फीड बैक एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त फीड बैक का विश्लेषण दिनांक 27/07/2018 को किया गया, शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम, परिवहन, हरित परिसर, मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम, सुरक्षा व्यवस्था, कैन्टीन की व्यवस्था, लाईब्रेरी, वाई–फाई, इण्टरनेट को अभिभावकों ने सामान्य रूप से सराहा था। अभिभावकों ने शिक्षा के स्तर, प्रयोगशालाओं, क्रीडा, चिकित्सा सुविधा, ट्रेनिंग प्लेसमेन्ट के प्रति चिन्ता व्यक्त की गई थी।

कार्यवाही :

सत्र. 2017–18 के अभिभावकों द्वारा महाविद्यालय के द्वारा दिये गये फीडबैक के अनुशीलन से प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर निम्नांकित कार्यवाही अपेक्षित थी।

– पुस्तकालय में नवीनतम् पाठ्यक्रम के अनुरूप पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का सुझाव अभिभावकों द्वारा दिया गया है, किन्तु विश्वविद्यालय द्वारा स्थाई पाठ्यक्रम अंगीकृत न किये जाने के कारण अभी भी प्रकाशकों द्वारा विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम पर आधारित पुस्तकें उपलब्ध नही करायी जा रही है ऐसे में शिक्षक–शिक्षिकाएं स्वयं संदर्भ ग्रन्थों के आधार पर पाठ्य सामाग्री प्रिन्टेड मैटेरियल के रूप में छात्राओं को उपलब्ध कराये।

– ट्रेनिंग और प्लेसमेन्ट के लिये यद्यपि अभिभावकों ने अपने सुझावों में व्यवस्था में सुधार का उल्लेख किया है, किन्तु जनपद में औद्योगिक इकाईयों के आभाव के कारण महाविद्यालय के प्रयास कोई बहुत अच्छा परिणाम नही ला पा रहे है। महाविद्यालय में फल संरक्षण, डॉल मेंकिंग, ज्वैलरी मेंकिंग, आचार, मुरब्बा मेकिंग का प्रशिक्षण जारी रखा जाये।

– महाविद्यालय में वाईफाई सुविधा, इण्टरनेट सुविधा, परिवहन सुरक्षा और साफ–सफाई, शैक्षणिक गतिविधियों के उत्कृष्ट स्तर को बनाये रखने के लिए सम्बन्धित प्रभारियों को निर्देशित किया जाये और मासिक समीक्षा के आधार पर लगातार कार्यवाही की जाये।

– अभिभावकों ने क्रीडा परिसर के उन्नयन के लिये सुझाव दिया है जिस पर गम्भीरतापूर्वक विचार किया गया और महाविद्यालय के प्रशिक्षक श्री बलराम जी को क्रीडा परिसर की उत्कृष्टता को बनाये रखने का दायित्व सौपा गया।

अभिभावक का फीडबैक (2018–19) का विश्लेषण –

दिनांक 07/04/2019 को अभिभावकों से प्राप्त फीड बैक एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त फीड बैक का विश्लेषण दिनांक 11/07/2019 को किया गया। परिसर में साफ–सफाई, शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा पद्धति, शैक्षणिक स्तर, कैन्टीन, सुरक्षा, परिवहन, लाइब्रेरी, वाईफाई की व्यवस्था को अधिकांश अभिभावकों ने सर्वोत्तम बताया। चिकित्सा व्यवस्था में गत वर्ष की अपेक्षा सुधार को अभिभावकों ने रेखांकित किया। सामान्यता अभिभावकों ने प्रयोगशाला के साफ–सफाई पर और ध्यान देने की ज़रूरत बतायी और शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम को और विस्तृत करने तथा और अधिक छात्राओं को सम्मिलित करने पर जोर दिया।

कार्यवाही :

दिनांक 11/07/2019 को सत्र 2018–19 के अभिभावकों द्वारा दिये गये फीडबैक का विश्लेषण किया गया और इस विश्लेषण के आधार पर निम्नाकिंत कार्यवाही संस्तुत की गई।

– परिसर में साफ–सफाई, शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा पद्धति, शैक्षणिक स्तर, कैन्टीन, सुरक्षा, परिवहन, लाइब्रेरी, वाईफाई की व्यवस्था को अधिकांश अभिभावकों ने सर्वोत्तम बताया। अभिभावकों के इस स्नेह के लिए उन्हे धन्यवाद दिया गया और प्राचार्या से अपेक्षा की गई कि वे अपने कुशल निर्देशन में अभिभावकों की अपेक्षाओं के अनुरूप इन सुविधाओं की उत्कृष्टता के स्तर को नित नये आयाम प्रदान करे।

– महाविद्यालय की प्रयोगशालाओं के प्रभारियों को अभिभावकों की चिन्ता से अवगत कराया गया। अपेक्षा की गई कि अभिभावकों द्वारा दिये गये सुझावों को शत्प्रतिशत क्रियान्वित कराये।

– क्रीडा प्रशिक्षक श्री बलराम जी को निर्देशित किया गया कि क्रीडा की विधाओं में अधिक से अधिक छात्राओं को सम्मलित कराये और विश्वविद्यालय स्तर तथा उससे ऊपर की प्रतिस्पर्धाओं में भी महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व प्रत्येक दशा में सुनिश्चित करे।

– शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम को और विस्तरित करने के लिये अभिभावकों के सुझाव पर विचार हेतु प्राचार्या को अधिकृत किया गया।

अभिभावक का फीडबैक (2019–20) का विश्लेषण –

दिनांक 27/05/2020 को अभिभावकों से प्राप्त फीड बैक एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त फीड बैक का विश्लेषण दिनांक 02/07/2020 को किया गया और अभिभावकों से प्राप्त फीडबैक को 2020–21 के लिए परिसर को तैयार करने की योजना बनाई गई। अभिभावकों ने परिसर की साफ–सफाई, परीक्षा व्यवस्था, शिक्षा के स्तर, कैन्टीन के स्तर, लाइब्रेरी, नेट, सुरक्षा व्यवस्था वं परिवहन व्यवस्था आदि में गत् वर्षो की अपेक्षा गुणात्मक सुधार का उल्लेख किया गया था किन्तु चिकित्सा सुविधा, ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेन्ट के संदर्भ में सुधार की आवश्यकता व्यक्त की गई थी। अभिभावकों ने कोरोना अवधि के लॉकडाउन में महाविद्यालय की भूमिका की भूरि–भूरि सराहना की और अपने ऑनलाईन फीडबैंक/मीटिंग में महाविद्यालय द्वारा किये जा रहे सामाजिक दायित्यों के निर्वाहन में छात्राओं के योगदान की अनुमति भी प्रदान की गई।

कार्यवाही :

दिनांक 02/07/2020 को सत्र 2019–20 के अभिभावकों द्वारा दिये गये फीडबैक का विश्लेषण किया गया और इस विश्लेषण के आधार पर निम्नाकिंत कार्यवाही संस्तुत की गई।

– परिसर की साफ–सफाई, परीक्षा व्यवस्था, शिक्षा के स्तर, कैन्टीन के स्तर, लाइब्रेरी, नेट, सुरक्षा व्यवस्था वं परिवहन व्यवस्था आदि में गत् वर्षो की अपेक्षा गुणात्मक सुधार का उल्लेख किया गया है इस संदर्भ में सभी प्रभारियों को अभिभावकों के अपेक्षाओं के अनुरूप अभिभावकों से सम्पर्क कर उनके सुझावों के अनुरूप आवश्यक कार्यवाही करने के लिये निर्देशित किया गया।

– नियमित चिकित्सीय परीक्षण के लिये अभिभावकों के सुझाव के अनुरूप डॉ0 राकेश शर्मा को महाविद्यालय द्वारा अनुबन्धित किये जाने एवं ऑनलाईन सलाह के लिये मनोचिकित्सक डॉ0 गिरजेश श्रीवास्तव, प्रयागराज को अनुबंधित किये जाने का सुझाव दिया गया।

– कोविड–19 के कारण लॉकडाउन हो जाने के कारण छात्राओं को सामाजिक दायित्वों को बोध कराने के उद्देश्य से उन्हे ऑनलाईन सुविधा उपलब्ध कराने हेतु महाविद्यालय के ट्रस्टी श्री हर्षित श्रीवास्तव से आग्रह किया गया।

अभिभावक का फीडबैक (2020–21) का विश्लेषण –

दिनांक 23/04/2021 को अभिभावकों से प्राप्त फीड बैक एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त फीड बैक का विश्लेषण दिनांक 09/11/2021 को किया गया और अभिभावकों से प्राप्त फीडबैक की समीक्षा की गई। सत्र 2020–21 कोविड–19 की अवधि से सम्बन्धित था और महाविद्यालय अत्यन्त कठिन परिस्थितियों से गुजर रहा था। अभिभावकों और छात्राओं का विशेष सहयोग महाविद्यालय को प्राप्त हो रहा था। सामान्य फीडबैक ने महाविद्यालय की गतिविधियों में व्यापक सुधार को रेखांकित किया था और कठिन परिस्थितियों में भी महाविद्यालय की सुचारू व्यवस्था को सराहा गया था। महाविद्यालय बन्द होने के बावजूद साफ–सफाई, प्रयोगशालाओं का अनुरक्षण, योगा और शारीरिक शिक्षा के ऑनलाईन कक्षाएं, कोविड वैक्सीनेक्शन और कोविड पीडितों की महाविद्यालय द्वारा सहायता को अभिभावकों ने प्रमुखता से उल्लिखित किया था। महाविद्यालय द्वारा यूट्यूब चैनल एवं गूगूल मीट, वर्क–प्लेस प्लेटफार्म पर चलाये जा रहे ऑनलाईन कक्षाओं की सराहना की गई।

कार्यवाही :

कोविड–19 के लॉकडाउन के कारण सत्र 2020–21 के लिये प्राप्त अभिभावकों के फीडबैक पर कार्यवाही के लिये दिनांक 09/1/2021 को समिति की बैठक सम्पन्न की गई और अभिभावकों से प्राप्त फीडबैक के साथ–साथ कोविड–19 के नियमों के अनुरूप निम्नांकित निर्णय लिये गये।

– परस्पर दूरी को बनाये रखते हुए क्रमवार छात्राओं को पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध कराया जाये।

– यूट्यूब चैनल, गूगलमीट, वर्कप्लेस पर चल रहे ऑनलाईन कक्षाओं को संचालित करते रहा जाये।

– प्रत्यक्ष कक्षाओं के लिये क्रमवार छात्राओं को महाविद्यालय में प्रवेशित किया जाये और उन्हे शिक्षकों के सीधे सम्पर्क में आने से बचाते हुए प्रतिदिन सेनेटाइज़ कक्षाओं में कक्षाएं संचालित की जाये।

– पाठ्यक्रम के अनुरूप शिक्षण सामाग्री को डिजिटल रूप से छात्राओं को उपलब्ध कराया जाये।

– कैन्टीन की सुविधा आगामी सत्र के लिये निलम्बित रखी जाये।

– परिसर की साफ–सफाई और सेनेटाइज़ेशन की सुचारू व्यवस्था बनाये रखने के लिये सेनेटाइजिंग टनल, आटोमैटिक हैण्डवाश सिस्टम को कार्यशील रखा जाये। परिसर एवं वाहनों को प्रतिदिन सेनेटाइज़ कराया जाये। इसके लिये सेनेटाइज़र की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये।

– सांस्कृति कार्यक्रम, क्रीडा अभ्यास एवं प्रयोगशालाओं में पारस्परिक दूरी बनायी रखी जाये।

– पेय जल व्यवस्था को और सुदृढ बनाने के लिये अतिरिक्त आरो की व्यवस्था की जाये।

– ऑनलाईन कक्षाओं के लिये निर्वाद विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सोलर विद्युत आपूर्ति एवं इण्टरनेट की व्यवस्था को सुदृढ किया जाये।

– अभिभावकों की ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेन्ट के सम्बन्ध में मांग को देखते हुए जिला सेवा योजन अधिकारी के माध्यम से टाटा कंसल्टेन्सी सर्विस से 78 छात्राओं के 03 माह की ऑनलाईन ट्रेनिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

शिक्षक का फीडबैक (2016–17) का विश्लेषण –

दिनांक 25/06/2017 को शिक्षकों द्वारा दिये गये फीडबैक पर विश्लेषण दिनांक 09/07/2017 को किया गया। शिक्षकों ने अपने फीडबैक में सामान्य तौर पर अध्यापन विधियों, शोध, कौशल एवं योग्यता को बढ़ावा देने, नवीन पाठ्यक्रमों के अनुसार पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने, क्रीडा सम्बन्धी व्यवस्था को सुनिश्चित कराने के लिए महाविद्यालय से अपेक्षा की गई थी। महाविद्यालय की साफ–सफाई, छात्राओं के अनुशासन, कैन्टीन, शिकायत निवारण प्रक्रिया, शिक्षकों के प्रति प्रबन्धन के व्यवहार से शिक्षक संतुष्ट थे और उनके द्वारा इन क्षेत्रों में महाविद्यालय द्वारा किये जा रहे प्रयासों को सराहा गया था।

कार्यवाही :

दिनांक 09/07/2017 को महाविद्यालय से प्राप्त शिक्षक–शिक्षिकाओं के फीडबैक पर विचार करने के लिये बैठक की गई और निम्नांकित संस्तुतियाँ प्रबन्धन/प्राचार्या को प्रेषित की गई।

– महाविद्यालय की साफ–सफाई, छात्राओं के अनुशासन, कैन्टीन, शिकायत निवारण प्रक्रिया, शिक्षकों के प्रति प्रबन्धन के व्यवहार से शिक्षक संतुष्ट थे और उनके द्वारा इन क्षेत्रों में महाविद्यालय द्वारा किये जा रहे प्रयासों को सराहा गया था किन्तु समिति का सुझाव है कि अपने इस स्वरूप को बनाये रखने के लिये महाविद्यालय को सतत् प्रयत्नशील रहना होगा और इसके लिये प्राचार्या से आग्रह किया गया कि मॉनीटरिंग सिस्टम को और मजबूत बनाये।

– पुस्तकालय में नये पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों की उपलब्धता की समस्या अति गम्भीर रूप से अभिभावकों द्वारा इंगित की गई थी। इस समस्या पर गम्भीरता से विचार किया गया। वस्तुतः उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में संशोधन किये जाने के कारण प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा अस्थाई रूप से शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद के पाठ्यक्रम को सम्मिलित रूप से अंगीकृत कर लेने के कारण पुस्तकालय में पूर्व की उपलब्ध पुस्तकें किसी सीमा तक कम उपयोगी रह गयी है इसलिए शिक्षक–शिक्षिकाओं को निर्देशित किया जा रहा

है कि वे उपलब्ध पुस्तकों से पाठ्यक्र के अनुरूप सामाग्रियों को प्रिन्टेड मैटर के रूप में छात्राओं को उपलब्ध कराये।

– क्रीडा परिसर में सुधार के लिये शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रशिक्षक श्री बलराम जी को निर्देशित किया गया।

शिक्षक का फीडबैक (2017–18) का विश्लेषण –

दिनांक 30/06/2018 को शिक्षकों द्वारा दिये गये फीडबैक पर विश्लेषण दिनांक 24/07/2018 को किया गया। महाविद्यालय के परिसर, साफ–सफाई, अनुशासन, शिक्षकों को समय से पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने की व्यवस्था, लक्ष्य निर्धारण एवं उसकी मॉनीटरिंग आदि की व्यवस्था को अधिकांशता शिक्षकों ने उत्कृष्ट की श्रेणी में रखा और क्रीडा, शोध एवं अध्यापन विधियों के प्रोत्साहन और नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों की उपलब्धता के सम्बन्ध में शिक्षकों की राय के अनुसार अभी और सुधार की आवश्यकता थी जिससे महाविद्यालय के संसाधनों का और अच्छा उपयोग किया जा सकता था।

कार्यवाही :

महाविद्यालय के स्तर उन्नयन के लिये शिक्षक–शिक्षिकाओं ने जो सुझाव दिये है उन पर कार्यवाही निम्नवत् प्रस्तावित की गई।

– शिक्षकों का प्रस्ताव था कि विश्वविद्यालय द्वारा बनाये जाने रहे शोध निर्देशकों की सूची में सम्मिलित कराये जाने हेतु प्रयास किया जाये जिसे स्वीकार करते हुए तत्नुसार विश्वविद्यालय से अनुरोध किया जाये।

– उन शिक्षकों को जिन्होने अभी तक पी0एच0डी0 नही किया है उन्हे पी0एच0डी0 करने के लिए प्रेरित किया जाये।

– एक विषय से परास्नातक एवं बी0एड्0 की डिग्री धारक शिक्षकों को एम0एड्0 करने के लिये प्रेरित किया जाये।

– पुस्तकालय में नये पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों की उपलब्धता की समस्या अति गम्भीर रूप से अभिभावकों द्वारा इंगित की गई थी। इस समस्या पर गम्भीरता से विचार किया गया। वस्तुतः उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में संशोधन किये जाने के कारण प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा अस्थाई रूप से शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद के पाठ्यक्रम को सम्मिलित रूप से अंगीकृत कर लेने के कारण पुस्तकालय में पूर्व की उपलब्ध पुस्तकें किसी सीमा तक कम उपयोगी रह गयी है इसलिए शिक्षक–शिक्षिकाओं को निर्देशित किया जा रहा है कि वे उपलब्ध पुस्तकों से पाठ्यक्र के अनुरूप सामाग्रियों को प्रिन्टेड मैटर के रूप में छात्राओं को उपलब्ध कराये।

– पुराछात्राओं द्वारा 05 कैरमबोर्ड एवं 05 शतरंज महाविद्यालय को उपलब्ध कराया गया जिसे सम्मिलित कर लेने से क्रीडा परिसर में खेल उपकरणों की संख्या में वृद्धि हुई। अन्य सुधारों के लिए क्रीडा से सम्बन्धित छात्राओं के आकांक्षाओं के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए क्रीडा प्रशिक्षक को निर्देश दिया गया।

– बी0एड्0 विभाग के मॉडल स्कूल की प्रयोगशाला के लिए भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान एवं भूगोल विभाग के लिए वांछित उपकरण क्रय किये गये।

– शैक्षणिक स्तर बनाये रखने, परिसर की साफ–सफाई, कैन्टीन में मानक के अनुरूप खाद्य पदार्थो की उपलब्धता तथा साफ–सफाई, शौचालयों की समुचित व्यवस्था एवं शुद्ध पेय जल की उपलब्धता बनाये रखने के लिये प्राचार्या से आग्रह किया गया कि सम्बन्धित प्रभारियों की उचित मॉनीटरिंग बनाये रखा जाये।

– अभिभावकों की नियमित रूप से बैठक आहूत की जाये और उनकी समस्या का समाधान तत्काल सुनिश्चित कराया जाये।

शिक्षक का फीडबैक (2018–19) का विश्लेषण –

दिनांक 09/04/2019 को शिक्षकों द्वारा दिये गये फीडबैक पर विश्लेषण दिनांक 03/07/2019 को किया गया। शिक्षकों ने गत् वर्ष में दिये गये सुझाव को सराहा और आगामी सत्र के लिए निम्नांकित सुझाव दिये –

– छात्राओं के कौशल एवं योग्यता को विकसित करने के लिए कार्यशालाय आयोजित की जाये।

– शिक्षकों के शोध निर्देशक बनाये जाने के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर कार्यवाही करायी जाये।

– प्रयोगशालाओं को और सुसजित कराया जाये।

– परिसर की साफ–सफाई के प्रति सम्बन्धित कर्मचारियों का दायित्व निर्धारित किया जाये।

– क्रीडा सम्बन्धी उपकरणों एवं क्रीडा परिसर के विकास के लिए प्रयास किया जाये।

– पुस्तकालय में नवीन पाठ्यक्रम की पुस्तकों की उपलब्धता को बढ़ाया जाये।

कार्यवाही :

दिनांक 03 जुलाई 2019 को सत्र 2018–19 के शिक्षकों के फीडबैक पर विचार कर महाविद्यालय के स्वरूप में गुणात्मक संवर्धन के लिये निम्नांकित निर्णय लिये गये।

– महाविद्यालय द्वारा शिक्षकों को शोध निर्देशक बनाये जाने के लिये विश्वविद्यालय से अनुरोध किया जाये।

– छात्राओं में कौशल एवं योग्यता के विकास के लिये कार्यशालय आयोजित की जाये। बी0एड्0 विभाग के मॉडल स्कूल की प्रयोगशाला के लिए भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं जीवविज्ञान विभाग के लिए वांछित उपकरण क्रय किये गये।

– क्रीडा परिसर के लिये पुराछात्राओं द्वारा 10 बॉलीबाल, 05 हैण्डबॉल और 04 रैकेट उपलब्ध कराये गये।

– पुस्तकालय में नये पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों की उपलब्धता की समस्या अति गम्भीर रूप से अभिभावकों द्वारा इंगित की गई थी। इस समस्या पर गम्भीरता से विचार किया गया। वस्तुतः उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में संशोधन किये जाने के कारण प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा अस्थाई रूप से शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद के

पाठ्यक्रम को सम्मिलित रूप से अंगीकृत कर लेने के कारण पुस्तकालय में पूर्व की उपलब्ध पुस्तकें किसी सीमा तक कम उपयोगी रह गयी है इसलिए शिक्षक–शिक्षिकाओं को निर्देशित किया जा रहा है कि वे उपलब्ध पुस्तकों से पाठ्यक्र के अनुरूप सामाग्रियों को प्रिन्टेड मैटर के रूप में छात्राओं को उपलब्ध कराये।

– समिति ने प्राचार्या से आग्रह किया कि विद्यालय को और उन्नत स्तर प्रदान कराने के लिये हर सम्भव प्रयास करे और महाविद्यालय के शैक्षणिक स्तर में उन्नयन, शैक्षणिक गतिविधियों में सुधार, परिसर की साफ–सफाई एवं प्रयोगशालाओं को मानक के अनुरूप सुसजित कराने के लिये हर सम्भव प्रयास करे।

शिक्षक का फीडबैक (2019–20) का विश्लेषण –

दिनांक 26/05/2020 को शिक्षकों द्वारा दिये गये फीडबैक पर विश्लेषण दिनांक 11/11/2020 को किया गया। दिनांक 22 मार्च 2020 से कोविड–19 के कारण लॉकडाउन लागू हो जाने के कारण शिक्षकों के फीडबैक ऑनलाईन प्राप्त किया गया और शिक्षकों ने कोविड–19 के संकट काल में एक जुट होकर संकट का सामाना करने का आश्वासन दिया। महाविद्यालय में चल रहे यूट्यब चैनल, गूगलमीट, वर्कप्लेस प्लेटफार्म पर चल रहे शिक्षण कार्य एवं योगा/शारीरिक शिक्षा के कक्षाओं की सराहना की और महाविद्यालय के प्रयास को स्वीकार किया गया। नई दिल्ली की फर्म टेटफोरिया के द्वारा करायी गई ऑनालाईन परीक्षा और उसका मूल्यांकन शिक्षकों के द्वार बहुत ही सराहा गया। संकट काल में भी सभी शिक्षकों को सेवा में बनाये रखने और उनके वेतन में किसी भी प्रकार की कटौती न करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया और यह विश्वास दिलाया गया कि महाविद्यालय के शिक्षण स्तर को आकाश की ऊँचाईयों तक ले जाने का हर सम्भव प्रयास किया जायेगा।

कार्यवाही :

दिनांक 11 नवम्बर 2020 को सत्र 2019–20 के शिक्षकों के फीडबैक पर विचार कर महाविद्यालय के स्वरूप में गुणात्मक संवर्धन के लिये निम्नांकित निर्णय लिये गये।

– वर्तमान सत्र के अंत में कोविड–19 के संक्रमण के कारण लागू लॉकडाउन में शैक्षिक प्रणाली को ध्वस्त कर दिया था और आवश्यकता के अनुरूप नयी चुनौतियों से जूझने के लिये शैक्षिक प्रणाली में सुधार के लिये आगामी सत्र में व्यापक सुधार किये गये।

– पुस्तकालय के लिए रू0 1.11 लाख मूल्य की पुस्तकें क्रय की गयी और जो पाठ्यक्रम इन पुस्तकों में उपलब्ध पाठ्य सामाग्री के अनुरूप नही था उसके लिये शिक्षकों से अनुरोध किया गया कि वे छात्राओं को सीधे नोट्स उपलब्ध कराये जिसमें संदर्भ ग्रन्थों का उपयोग किया जाये।

– भूगोल विभाग की प्रयोगशाला के लिये रू0 20,000 मूल्य के उपकरण क्रय किये गये।

– क्रीडा परिसर के लिये पुराछात्राओं द्वारा 07 जेवलिन, 05 डिस्क, 02 गोले और 12 रस्सी उपलब्ध करायी गयी।

– सैनेटाइज़र टनैल, आटोमैटिक सेनेटाइज़र एवं प्रत्येक छात्रा की थर्मल चेकिंग की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। परिसर में प्रतिदिन सेनेटाइज़ेशन की व्यवस्था की गयी।

– परिसर में परस्पर दूरी बनाये रखते हुए क्रमवार छात्राओं के लिये प्रत्यक्ष कक्षाएं संचालित की गई एवं पुस्तकालय के उपयोग को सुनिश्चित किया गया।

– सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थगित रखा गया।

– महाविद्यालय की बसों में परस्पर दूरी को बनाये रखते हुए परिवहन सुनिश्चित किया गया।

शिक्षक का फीडबैक (2020–21) का विश्लेषण –

दिनांक 20/04/2021 को शिक्षकों द्वारा दिये गये फीडबैक पर विश्लेषण दिनांक 26/11/2021 को किया गया। कोविड–19 के दिशा निर्देशों के अनुरूप महाविद्यालय द्वारा यूट्यब चैनल, गूगलमीट, वर्कप्लेस प्लेटफार्म पर ऑनलाईन कक्षाओं का टाइमटेबल के अनुरूप संचालन की व्यवस्था को शिक्षकों के द्वारा सराहा गया और विशेषता शारीरिक शिक्षा और योग की कक्षाओं का समायनुरूप संचालन उल्लेखनीय रहा। शिक्षकों ने महाविद्यालय की कोविड–19 की अवधि में चलाई जा रही गतिविधियों छात्राओं तक ऑनलाईन शिक्षण सामाग्री उपलब्ध कराये जाने की प्रक्रिया और महाविद्यालय स्तर पर स्मार्ट क्लासेस का संचालन और अनुशासन को उल्लेखनीय बताया। शिक्षकों ने महाविद्यालय खुलने की स्थिति में क्रीडा, पुस्तकालय एवं कैन्टीन को पुनः अपने पूर्व स्थिति में लाने के लिये किया गया। सभी कर्मचारियों को सम्मान देने और उनसे सद्व्यवहार के लिए प्राचार्या एवं प्रबन्धन के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

कार्यवाही :

सत्र 2020–21 एक संकटकालीन दौर था। पूर्व से संचालित शिक्षण विधियाँ और शिक्षण सामाग्रीयाँ सब कुछ आप्रासंगिक हो चुकी थी। छात्राओं की ऑनलाईन परीक्षाएं सम्पादित करायी गयी। कोविड–19 के कारण विश्वविद्यालय द्वारा सामूहिक प्रोन्नति दी गयी। ऐसे में शिक्षा के स्तर को बनाये रखने के लिये महाविद्यालय को कठिन निर्णय लेने पड़े और कठोर कदम उठाने पड़े।

– छात्राओं को यूट्यूब चैनल, गूगलमीट एवं वर्कप्लेस पर पाठ्य सामाग्री उपलब्ध करायी गयी तथा समय सारणी के अनुसार नियमित कक्षाएं संचालित की गयी।

– परिसर/वाहनों में नियमित रूप से सेनेटाइज़ेशन एवं परस्पर दूरी बनाये रखते हुये क्रमवार प्रत्यक्ष कक्षाओं का संचालन किया गया।

– मनोरोग चिकित्सक डॉ0 अभिजीत श्रीवास्तव एवं डॉ0 गिरजेश श्रीवास्तव ने ऑनलाईन कांउसलिंग की सुविधा छात्राओं को दी गयी।

– ऑनलाईन आर्ट कम्पटीशन एवं संगीत गायन के कार्यक्रम आयोजित किये गये।

– जे0एन0यू0 नई दिल्ली के पर्यावरण विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 के0कृष्ण गोपाल सक्सेना की ऑनलाईन पर्यावरण संरक्षण पर संगोष्ठी आयोजित की गयी और छात्राओं ने अर्न्तराट्रीय पर्यावरण दिवस पर अपने–अपने घरों के आस–पास उपलब्ध स्थान पर 273 पीपल, पाकर, बरगद, नीम एवं गूलर के पौध रोपित कर उनके वीडियों प्रेषित किये गये।

– कोविड–19 टीकाकरण कैम्प महाविद्यालय परिसर में आयोजित कर छात्राओं और उनके अभिभावकों का टीकाकरण कराया गया।

– कोविड–19 के नियमों के कारण कैन्टीन की सुविधा एवं सांस्कृति कार्यक्रम स्थगित रहे।

– पुस्तकालय में परस्पर दूरी बनाये रखते हुए छात्राओं को प्रवेश की सुविधा दी गयी।

– क्रीडा प्रतिस्पर्धाओं में केवल उन्ही खेलों को सम्मलित किया गया जिनमें पर्याप्त परस्पर दूरी बनी रहे। ऐसे खेलों में बैटमिनटन, वॉलीबॉल, डिस्कस/जैवलिन थ्रो और एथलेटिक्स को प्राथमिकता दी गयी।

– क्वीज और सामान्य ज्ञान प्रतियोगिताऐं आयोजित की गई, जिससे बौद्धिक/तार्किक क्षमता में विकास हो सके।

– शुद्ध/शीतल पेयजल व्यवस्था के लिए आर0ओ0 विद् चिलर की व्यवस्था की गई। शैक्षणिक विधियों एवं शैक्षणिक परिवेश को ऑनलाईन एवं प्रत्यक्ष कक्षाओं दोनों के अनुरूप तैयार किया गया। जिससे छात्राओं को प्रत्यक्ष कक्षाओं में क्रमवार शिक्षक/शिक्षिकाओं से सीधे संवाद भी हो सके और इसके साथ–साथ ऑनलाईन पाठ्य सामग्री भी उपलब्ध हो सके। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के ई–पाठशाला पोर्टल पर भी शिक्षक/शिक्षिकाओं द्वारा लगभग 200 लेक्चर्स अपलोड किये गये।

<u>गैर शैक्षणिक कर्मचारी के फीडबैक (2016–17) का विश्लेषण –</u>

दिनांक 30/06/2017 को शिक्षकों द्वारा दिये गये फीडबैक पर विश्लेषण दिनांक 13/07/2017 को किया गया। गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने महाविद्यालय परिसर के वातावरण को जनपद का सर्वश्रेष्ठ परिसर माना और यहा के कर्मचारी कल्याण योजना और शिकायत निवारण प्रक्रिया के प्रति विश्वास व्यक्त किया। चिकित्सा सुविधा में सुधार के लिए आग्रह किया गया।

कार्यवाही–

– गैर शैक्षणिक कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधा की अत्यन्त आवश्यकता थी और इसके अनुरूप जिला चिकित्सालय से सम्पर्क कर सुविधाऐं उपलब्ध कराने के लिए मुख्य चिकित्साधिकारी प्रतापगढ़ से विशेष अनुरोध किया गया।

– परिसर के सामान्य परिवेश एवं आपसी सामंजस्य को बनाये रखने के लिए प्रबंधन द्वारा उपलब्ध कराये गये शिकायत निवारण प्रकोष्ठ की प्रक्रिया को सहज बनाया गया और पिछले परिणामों को देखते हुए शिकायत निवारण प्रक्रिया से सभी कर्मचारियों को बार–बार अवगत कराया गया।

– कर्मचारियों में आपसी सद्भाव बनाये रखने के लिए प्राचार्या द्वारा डॉ0 श्रीमती अनीता पाण्डेय को अधिकृत किया गया।

<u>गैर शैक्षणिक कर्मचारी के फीडबैक (2017–18) का विश्लेषण –</u>

दिनांक 27/04/2018 को शिक्षकों द्वारा दिये गये फीडबैक पर विश्लेषण दिनांक 24/07/2018 को किया गया। गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने प्रबन्धन द्वारा उनके आश्रितों को निःशुल्क शिक्षा एवं आर्थिक सहायता के लिए प्राचार्या और प्रबन्धन को धन्यवाद ज्ञापित किया। शिकायत निवारण और सभी कर्मचारियों के साथ पारिवारिक एवं सम्मानजनक व्यवहार के लिए प्रबन्धन को धन्यवाद ज्ञापित किया। महाविद्यालय की उत्कृष्ट कैन्टीन व्यवस्था एवं सभी कर्मचारियों में आपस में सद्व्यवहार को उल्लेखनीय बताया गया।

कार्यवाही–

– गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के फीड–बैक के अनुरूप उनके आश्रितों को निःशुल्क शिक्षा एवं आर्थिक सहायता के आगामी सत्र के लिए जारी रखने का आदेश निर्गत किये गये।

– महाविद्यालय का सामान्य परिवेश गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के भावनाओं के अनुरूप सद्भावपूर्ण बनाये रखने के लिए प्राचार्या ने डॉ0 श्रीमती अनीता पाण्डेय जी को नोडल अधिकारी नामित किया।

– शिकायत निवारण सेल की पादर्शिता और सहज प्रक्रिया को बनाये रखने के लिए प्राचार्या को अधिकृत किया गया।

<u>गैर शैक्षणिक कर्मचारी के फीडबैक (2018–19) का विश्लेषण –</u>

दिनांक 27/04/2019 को शिक्षकों द्वारा दिये गये फीडबैक पर विश्लेषण दिनांक 17/07/2019 को किया गया। सत्र 2018–19 के गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने परिसर के पारिवारिक वातावरण और आपसी सद्व्यवहार के लिए प्रबन्धन को धन्यवाद दिया। कर्मचारियों ने शिकायत निवारण व्यवस्था, कैन्टीन और कर्मचारी कल्याण की उत्कृष्ट सोच को सराहा। चिकित्सा सुविधा में और वृद्धि के लिए अनुरोध किया गया।

कार्यवाही–

– गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की मुख्य समस्या चिकित्सीय सुविधा की उपलब्धता के सम्बन्ध में मुख्यचिकित्साधिकारी प्रतापगढ़ से अनुरोध किया गया एवं डॉ0 राकेश शर्मा से निःशुल्क चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया।

– परिसर का वातावरण पारिवारिक बनाये रखने के लिए प्राचार्या को अधिकृत किया गया।

– कर्मचारियों के लिए चल रही कर्मचारी कल्याण की योजनाओं को आगामी सत्र के लिए भी जारी रखने का निर्णय किया गया।

<u>गैर शैक्षणिक कर्मचारी के फीडबैक (2019–20) का विश्लेषण –</u>

दिनांक 26/05/2020 को शिक्षकों द्वारा दिये गये फीडबैक पर विश्लेषण दिनांक 19/11/2020 को किया गया। कोविड–19 के कारण लागू लॉकडाउन में महाविद्यालय के कर्मचारियों को सेवा में बनाये रखने और उनके स्वास्थ्य के लिए प्रबन्धन द्वारा किये गये प्रयासों को सराहा गया। कर्मचारियों ने इस कठिन परिस्थिति में कर्मचारियों के साथ खड़े रह कर प्रबन्धन ने उनके प्रति उपकार किया है और सभी कर्मचारी इस संकट से निपटने के लिए एक जुट होकर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। दिनांक 22/03/2020 से लॉकडाउन लागू होने के कारण गैर शैक्षणिक कमचारियों के फीडबैक पर माह नवम्बर में विचार किया गया और कर्मचारियों को हर सम्भव मद्द देने के लिए प्रबन्धन ने विश्वास दिलाया।

कार्यवाही–

– कोविड काल के कठिन परिस्थितियों में सभी गैरशैक्षणिक कर्मचारियों को सेवा में बनाये रखने का निर्णय लिया गया।

– चिकित्सीय सहायता के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी के स्तर से कार्यवाही के लिये महाविद्यालय की ओर से श्री अनन्त प्रकाश शुक्ला, बी0एड्0 विभाग को नामित किया गया।

– गैरशैक्षणिक कर्मचारियों में आत्मविश्वास संवर्धन के लिये डॉ0 गिरजेश श्रीवास्तव एवं डॉ0 अभिजीत श्रीवास्तव, ग्वालियर मेडिकल कॉलेज, ग्लालियर से ऑनलाईन कांउसलिंग की सुविधा उपलब्ध कराने के लिये अनुरोध किया गया।

– प्रत्यक्ष कक्षाओं के संचालन के समय परस्पर दूरी बनाये रख कर आवश्यक उपकरण और बचाव के संसाधनों के साथ परिसर की साफ–सफाई और सेनेटाइज़ेशन के लिये व्यवस्था की गयी।

गैर शैक्षणिक कर्मचारी के फीडबैक (2020–21) का विश्लेषण –

दिनांक 18/04/2021 को शिक्षकों द्वारा दिये गये फीडबैक पर विश्लेषण दिनांक 09/09/2021 को किया गया। कोविड–19 सम्बन्धी लॉकडाउन लागू होने के कारण गैर शैक्षणिक कर्मचारियों से प्राप्त फीडबैक का विश्लेषण ऑनलाईन किया गया और अधिंकांश कर्मचारियों ने शिकायत निवारण प्रक्रिया, आपसी सद्व्यवहार, संकट काल में एकजुट होकर परिस्थितियों का सामना करने के लिए प्रबन्धन को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

कार्यवाही–

– कोविड–19 के संकट काल से निजात पाने के लिये संघर्षरत महाविद्यालय द्वारा अपने कर्मचारियों के लिये छात्राओं और उनके अभिभावकों के साथ कोविड टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध करायी गयी।

– आटोमैटिक सेनेटाइंज़िग मशीन और सेनेटाइज़िग टनैल की सुविधा का उपयोग करके ही गैरशौक्षणिक कर्मचारियों को परिसर में प्रवेश की अनुमति दी गयी।

– गैरशैक्षणिक कर्मचारियों को परस्पर दूरी बनाये रखते हुए परिसर की साफ–सफाई, प्रयोगशालाओं का अनुरक्षण और महाविद्यालय के अभिलेखीय कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया।

– सांस्कृतिक कार्यक्रम और कैन्टीन की सुविधा निलम्बित रखी गयी।

छात्राओं एवं पुराछात्राओं के फीडबैक (2016–17) का विश्लेषण –

सत्र 2016–17 के लिए दिनांक 17 मार्च 2017 को लिये गये फीडबैक में 477 छात्राओं एवं 1422 पुराछात्राओं ने प्रतिभाग किया और उनके फीडबैक के अनुसार निम्नांकित तथ्य उभर के सामने आये।

– सभी छात्राएं एवं पुराछात्राएं एक मत से महाविद्यालय के टीचिंग लर्निंग प्रोसेस, शैक्षणिक प्रक्रिया, सुरक्षा व्यवस्था, टीचिंग स्टाफ की योग्यता, महाविद्यालय के सेमीनारों और कार्यशालाओं के स्तर, परिसर की पर्यावरण शुद्धता एवं प्राचार्या, शिक्षकों और प्रबन्धन के व्यवहार से

सर्वाधिक संतुष्ट है और पुस्तकालय में नवीन पाठ्यक्रम के पुस्तकों की उपलब्धता एवं क्रीडा परिसर में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया।

– महाविद्यालय स्तर पर प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं के लिए जो प्रयास किये जा रहे थे उनकी सराहना की गई फिर भी इस दिशा में और कार्य करने का सुझाव दिया गया।

– महाविद्यालय के यूनिफार्म ड्रेसकोड, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण की व्यवस्था, छात्रावास, वाईफाई, कैन्टीन, परिवहन, सुरक्षा, परिसर की साफ–सफाई, प्रयोगशालाओं की स्थित और परीक्षा व्यवस्थाओं के प्रति सर्वाधिक संतुष्टि व्यक्त की गई।

– ट्रेनिंग एवं प्लेसमेन्ट के लिये सुझाव दिया गया कि विभिन्न मल्टीनेश्नल कंपनियों से सम्पर्क कर छात्राओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए महाविद्यालय स्तर से और प्रयास किया जाये।

– महाविद्यालय के हरित परिसर को और सुसजित करने के लिए सुझाव दिया गया।

कार्यवाही–

महाविद्यालय के स्तर उन्नयन के लिये छात्राओं एवं पुराछात्राओं ने जो सुझाव दिये है उन पर कार्यवाही का निम्नवत् निर्णय लिया गया।

– पुस्तकालय में नये पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों की उपलब्धता की समस्या अति गम्भीर रूप से अभिभावकों द्वारा इंगित की गई थी। इस समस्या पर गम्भीरता से विचार किया गया। वस्तुतः उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में संशोधन किये जाने के कारण प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा अस्थाई रूप से शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद के पाठ्यक्रम को सम्मिलित रूप से अंगीकृत कर लेने के कारण पुस्तकालय में पूर्व की उपलब्ध पुस्तकें किसी सीमा तक कम उपयोगी रह गयी है इसलिए शिक्षक–शिक्षिकाओं को निर्देशित किया जा रहा है कि वे उपलब्ध पुस्तकों से पाठ्यक्र के अनुरूप सामाग्रियों को प्रिन्टेड मैटर के रूप में छात्राओं को उपलब्ध कराये।

– क्रीडा परिसर में सुधार के लिये शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रशिक्षक श्री बलराम जी को निर्देशित किया गया।

– बी0एड्0 विभाग के मॉडल स्कूल की प्रयोगशाला के लिए भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान एवं भूगोल विभाग के लिए वांछित उपकरण क्रय किये गये।

– शैक्षणिक स्तर बनाये रखने, परिसर की साफ–सफाई, कैन्टीन में मानक के अनुरूप खाद्य पदार्थो की उपलब्धता तथा साफ–सफाई, शौचालयों की समुचित व्यवस्था एवं शुद्ध पेय जल की उपलब्धता बनाये रखने के लिये प्राचार्या से आग्रह किया गया कि सम्बन्धित प्रभारियों की उचित मॉनीटरिंग बनाये रखा जाये।

– छात्राओं एवं पुराछात्राओं का आग्रह था कि मल्टीनेश्नल कम्पनियों में रोजगार के लिये ट्रेनिंग एवं प्लेसमेन्ट की सुविधा उपलब्ध करायी जाये। इस संदर्भ में श्री अनूप कुमार दत्ता को विभिन्न कम्पनियों से सम्पर्क करने के लिये अधिकृत किया गया।

– टीचिंग लर्निंग प्रोसेस एवं शैक्षणिक प्रक्रिया को और उन्नत बनाने के लिये डॉ0 अवधेश कुमार शर्मा विभागाध्यक्ष बी0एड्0 विभाग को निर्देशित किया गया कि वे कार्य योजना प्रस्तुत करे।

– पुस्तकालय में उर्दू पाठ्यक्रम की पुस्तकें विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत पाठ्यक्रम के अनुरूप उपलब्ध बनी रहे इसके लिये श्री अज़मत अली अंसारी विभागाध्यक्ष उर्दू विभाग को एवं

संस्कृत पाठ्यक्रम की पुस्तकें विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत पाठ्यक्रम के अनुरूप उपलब्ध बनी रहे इसके लिये डॉ0 अरविन्द सिंह विभागाध्यक्ष संस्कृत विभाग को निर्देशित किया गया।

छात्राओं एवं पुराछात्राओं के फीडबैक (2017–18) का विश्लेषण –

दिनांक 18 अप्रैल 2018 को प्राप्त छात्राओं एवं पुराछात्राओं के फीडबैक की समीक्षा के आधार पर निम्नाकिंत बिन्दुओं पर महाविद्यालय स्तर पर कार्यवाही अपेक्षित थी।

– महाविद्यालय के समग्र वातावरण में और प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया गया था।

– शैक्षणिक गतिविधियों में प्राद्यौगिकी के प्रयोग, शुद्ध पेय जल की व्यवस्था, शुद्ध पर्यावरण, सुरक्षा व्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, कैन्टीन व्यवस्था और पारिवारिक वातावरण की सराहना की गई थी।

– विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में लगातार संशोधन के कारण नये पाठ्यक्रम की पुस्तकों को पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया था।

– क्रीडा परिसर में और सामाग्रियों को उपलब्ध कराने और अधिक से अधिक छात्राओं को शारीरिक शिक्षा के प्रति प्रेरित करने का सुझाव दिया गया।

– महाविद्यालय में आयोजित सेमिनार एवं संगोष्ठियाँ छात्राओं के बौद्धिक विकास में अभूतपूर्व सहायक हो रही थी फिर भी इस दिशा में और प्रयास कर राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार एवं संगोष्ठियों करने का सुझाव दिया गया।

– चिकित्सीय परीक्षण के लिए प्रतिमाह व्यवस्था किये जाने के लिए सुझाव दिया गया।

– महाविद्यालय के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को उत्कृष्ट बताते हुए सर्वागीण विकास के लिये उपयोगी बताया गया और इसमें और गुणात्मक सुधार का सुझाव दिया गया।

– महाविद्यालय का हरित परिसर छात्राओं के लिए विशेष आकर्षण है इसके लिए और सजावटी पौधों से अलंकृत करने का सुझाव दिया गया।

– महाविद्यालय की छात्राओं को विभिन्न औद्योगिक छात्राओं में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रयास किये जाने का सुझाव दिया गया।

कार्यवाही :

महाविद्यालय के स्तर उन्नयन के लिये छात्राओं एवं पुराछात्राओं ने जो सुझाव दिये है उन पर कार्यवाही निम्नवत् प्रस्तावित की गई।

– पुस्तकालय में नये पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों की उपलब्धता की समस्या अति गम्भीर रूप से अभिभावकों द्वारा इंगित की गई थी। इस समस्या पर गम्भीरता से विचार किया गया। वस्तुतः उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में संशोधन किये जाने के कारण प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा अस्थाई रूप से शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद के पाठ्यक्रम को सम्मिलित रूप से अंगीकृत कर लेने के कारण पुस्तकालय में पूर्व की उपलब्ध पुस्तकें किसी सीमा तक कम उपयोगी रह गयी है इसलिए शिक्षक–शिक्षिकाओं को निर्देशित किया जा रहा

है कि वे उपलब्ध पुस्तकों से पाठ्यक्र के अनुरूप सामाग्रियों को प्रिन्टेड मैटर के रूप में छात्राओं को उपलब्ध कराये।

– पुराछात्राओं द्वारा 05 कैरमबोर्ड एवं 05 शतरंज महाविद्यालय को उपलब्ध कराया गया जिसे सम्मिलित कर लेने से क्रीडा परिसर में खेल उपकरणों की संख्या में वृद्धि हुई। अन्य सुधारों के लिए क्रीडा से सम्बन्धित छात्राओं के आकांक्षाओं के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए क्रीडा प्रशिक्षक को निर्देश दिया गया।

– बी0एड्0 विभाग के मॉडल स्कूल की प्रयोगशाला के लिए भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान एवं भूगोल विभाग के लिए वांछित उपकरण क्रय किये गये।

– शैक्षणिक स्तर बनाये रखने, परिसर की साफ–सफाई, कैन्टीन में मानक के अनुरूप खाद्य पदार्थो की उपलब्धता तथा साफ–सफाई, शौचालयों की समुचित व्यवस्था एवं शुद्ध पेय जल की उपलब्धता बनाये रखने के लिये प्राचार्या से आग्रह किया गया कि सम्बन्धित प्रभारियों की उचित मॉनीटरिंग बनाये रखा जाये।

– आगामी सत्र में विश्वविद्यालय के नये पाठ्यक्रम को दृष्टिगत् रखते हुये विभिन्न विषयों पर शैक्षिक संगोष्ठियाँ और सेमीनार आयोजन के लिये कार्ययोजना तैयार करने के लिये डॉ0 अरविन्द सिंह विभागाध्यक्ष संस्कृत विभाग को अधिकृत किया गया।

– छात्राओं में स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिये डॉ0 प्राची उपाध्याय विभागाध्यक्ष गृह विज्ञान विभाग को निर्देशित किया गया कि वे छात्राओं को अचार, मुरब्बा, ज्वैलरी, पपेट मेंकिंग आदि बनाने के लिये प्रशिक्षित करे और उनकी प्रदर्शनी आयोजित कर छात्राओं के समक्ष रोजगार के अवसर के रूप में प्रस्तुत करे साथ ही श्री अनूप कुमार दत्ता को निर्देशित किया गया कि वे औद्योगिक प्रतिष्ठानों से सम्पर्क कर छात्राओं के प्रशिक्षण और राजेगार के अवसर तलाशे।

– चिकित्सीय सहायता के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी के स्तर से कार्यवाही के लिये महाविद्यालय की ओर से श्री अनन्त प्रकाश शुक्ला, बी0एड्0 विभाग को नामित किया गया।

छात्राओं एवं पुराछात्राओं के फीडबैक (2018–19) का विश्लेषण –

दिनांक 20/05/2019 को सत्र 2018–19 की 520 छात्राओं एवं 1460 पुराछात्राओं से प्राप्त फीडबैक पर परिचर्चा की गई और फीडबैक के परिणामों के रूप मे निम्नांकित बिन्दुओं को रेखांकित किया जा सकता है और उनके परिप्रेक्ष्य में कार्यवाही की संस्तुति की गई।

– क्रीडा परिसर में व्यापक सुधार की आवश्यकता है और नये खेलों को महाविद्यालय में सम्मिलित किया जाना चाहिए।

– पुस्तकालय की पुस्तकों की विश्वद्यिालय के नवीनतम पाठ्यक्रमों के अनुसार उपलब्धता सुनिश्चित की जाये।

– प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं के लिए महाविद्यालय स्तर से और प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया गया।

– महाविद्यालय के द्वारा छात्राओं के ट्रेनिंग और प्लेसमेन्ट की दिशा में सार्थक प्रयास की आवश्यकता को रेखांकित किया गया।

– छात्राओं के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के लिए व्यवस्था की जाये।

– यद्यपि महाविद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था, परीक्षा व्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, हरित परिसर, कैन्टीन, शैक्षिक व्यवस्था, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण आदि की व्यवस्था को अधिकांशता

छात्राओं द्वारा उत्कृष्ट श्रेणी मे रखा गया है फिर भी अभी इस दिशा में और प्रयास की आवश्यकता है।

कार्यवाही :

सत्र 2018–19 की 520 छात्राओं और 1460 पुराछात्राओं से प्राप्त फीडबैक के आधार पर निम्नांकित कार्यवाही की गयी।

– छात्राओं में कौशल एवं योग्यता के विकास के लिये कार्यशालय आयोजित की जाये।

– बी0एड्0 विभाग के मॉडल स्कूल की प्रयोगशाला के लिए भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं जीवविज्ञान विभाग के लिए वांछित उपकरण क्रय किये गये।

– क्रीडा परिसर के लिये पुराछात्राओं द्वारा 10 बॉलीबाल, 05 हैण्डबॉल और 04 रैकेट उपलब्ध कराये गये।

– पुस्तकालय में नये पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों की उपलब्धता की समस्या अति गम्भीर रूप से अभिभावकों द्वारा इंगित की गई थी। इस समस्या पर गम्भीरता से विचार किया गया। वस्तुतः उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में संशोधन किये जाने के कारण प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा अस्थाई रूप से शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद के पाठ्यक्रम को सम्मिलित रूप से अंगीकृत कर लेने के कारण पुस्तकालय में पूर्व की उपलब्ध पुस्तकें किसी सीमा तक कम उपयोगी रह गयी है इसलिए शिक्षक–शिक्षिकाओं को निर्देशित किया जा रहा है कि वे उपलब्ध पुस्तकों से पाठ्यक्र के अनुरूप सामाग्रियों को प्रिन्टेड मैटर के रूप में छात्राओं को उपलब्ध कराये।

– चिकित्सीय सुविधा के लिये डॉ0 राकेश शर्मा, डॉ0 सुधाकर सिंह एवं डॉ0 अवन्तिका पाण्डेय की नियमित चिकित्सीय सलाह के लिये महाविद्यालय की ओर से नामित किया गया।

– प्रतियोगात्मक परीक्षाओं के लिये श्री रवीन्द्र नाथ त्रिपाठी प्रवक्ता बी0एड्0 विभाग को नामित किया गया और उन्हे निर्देशित किया गया कि छात्राओं में प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं में सम्मिलित होने के लिए जागृत लाये और आवश्यकतानुसार उनका मार्ग दर्शन करे।

– छात्राओं में सामाजिक दायित्वों का बोध कराने के लिये प्रत्येक छात्रा से आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों को अपना एक वस्त्र दान करने के लिये प्रेरित किया गया।

– समिति ने प्राचार्या से आग्रह किया कि विद्यालय को और उन्नत स्तर प्रदान कराने के लिये हर सम्भव प्रयास करे और महाविद्यालय के शैक्षणिक स्तर में उन्नयन, शैक्षणिक गतिविधियों में सुधार, परिसर की साफ–सफाई एवं प्रयोगशालाओं को मानक के अनुरूप सुसजित कराने, परिवहन व्यवस्था को सुचारू बनाये रखने एवं सुरक्षा व्यवस्था को चाकचौबन्द रखने के लिये हर सम्भव प्रयास करे।

छात्राओं एवं पुराछात्राओं के फीडबैक (2019–20) का विश्लेषण –

दिनांक 22/03/2020 से लॉकडाउन लागू हो जाने के कारण 27 अप्रैल 2020 को प्राप्त ऑनलाईन फीडबैक की समीक्षा लॉकडाउन के उपरान्त की जा सकी और प्राप्त फीडबैक पर कोविड–19 के परिप्रेक्ष्य में समीक्षा की गई।

– यद्यपि छात्राओं ने कैन्टीन की सुविधा में विस्तार के लिए फीडबैक दिया था किन्तु लॉकडाउन नियमों के कारण यह सम्भव नही था। इस सम्बन्ध में कोविड–19 के निर्देशों के अनुरूप निर्णय लिये जाये।

– क्रीडा सामाग्रियों और क्रीडा परिसर में सुधार के लिए दिये गये फीडबैक का अनुपालन भी कोविड–19 के अनुरूप किया जाना उचित होगा।

– नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा में विस्तार सम्बन्धी फीडबैक पर कार्यवाही कोविड–19 के निर्देशों के अनुरूप प्रस्तावित किया गया।

– कौशल विकास एवं प्रशिक्षण के लिए दिये गये फीडबैक के अनुरूप ऑनलाईन प्रशिक्षण की व्यवस्था पर विचार किया गया।

– टीचिंग लर्निंग प्रासेस और शैक्षणिक प्रक्रिया, सेमिनार, प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं के लिए सामाग्रियों के उपलब्ध कराये जाने के प्रस्तावों पर कोविड–19 नियमों के अन्तर्गत विचार किया जाना।

– काविड–19 के कारण प्रत्यक्ष सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्भव नही थे इसलिए फीडबैक के अनुरूप कोविड–19 के नियमों के अर्न्तगत ऑनलाईन संगीत, कला और शारीरिक प्रशिक्षण पर विचार।

– महाविद्यालय का यूनिफार्म ड्रेसकोड यद्यपि अधिकांशता छात्राओं द्वारा अनुकरणीय बताया गया था फिर भी वर्तमान कोविड–19 नियमों के कारण इस पर कोई विचार नही किया गया।

<u>कार्यवाही :</u>

– वर्तमान सत्र के अंत में कोविड–19 के संक्रमण के कारण लागू लॉकडाउन में शैक्षिक प्रणाली को ध्वस्त कर दिया था और आवश्यकता के अनुरूप नयी चुनौतियों से जूझने के लिये शैक्षिक प्रणाली में सुधार के लिये आगामी सत्र में व्यापक सुधार किये गये।

– पुस्तकालय के लिए रू0 1.11 लाख मूल्य की पुस्तकें क्रय की गयी और जो पाठ्यक्रम इन पुस्तकों में उपलब्ध पाठ्य सामाग्री के अनुरूप नही था उसके लिये शिक्षकों से अनुरोध किया गया कि वे छात्राओं को सीधे नोट्स उपलब्ध कराये जिसमें संदर्भ ग्रन्थों का उपयोग किया जाये।

– भूगोल विभाग की प्रयोगशाला के लिये रू0 20,000 मूल्य के उपकरण क्रय किये गये।

– क्रीडा परिसर के लिये पुराछात्राओं द्वारा 07 जेवलिन, 05 डिस्क, 02 गोले और 12 रस्सी उपलब्ध करायी गयी।

– सैनेटाइज़र टनैल, आटोमैटिक सेनेटाइज़र एवं प्रत्येक छात्रा की थर्मल चेकिंग की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। परिसर में प्रतिदिन सेनेटाइज़ेशन की व्यवस्था की गयी।

– परिसर में परस्पर दूरी बनाये रखते हुए क्रमवार छात्राओं के लिये प्रत्यक्ष कक्षाएं संचालित की गई एवं पुस्तकालय के उपयोग को सुनिश्चित किया गया।

– कोविड–19 के निर्देशो के अन्तर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं कैन्टीन की सुविणा स्थगित रखी जाय, किन्तु ऑनलाईन संगीत गायन एवं योग कक्षाओं को प्राथमिकता पर संचालित किया जाये।

– महाविद्यालय की बसों में परस्पर दूरी को बनाये रखते हुए परिवहन सुनिश्चित किया गया।

– डॉ0 सुधाकर सिंह, डॉ0 राकेश शर्मा एवं डॉ0 अवन्तिका पाण्डेय से छात्राओं को ऑनलाईन चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराने के लिये अनुरोध किया गया।

– शिक्षण विधि को ऑनलाईन कक्षाओं एवं प्रत्यक्ष कक्षाओं के अनुरूप सवंर्धित करने के लिये आवश्यक कार्यवाही करने का प्राचार्या से आग्रह किया गया।

– यूट्यूब चैनल, गूगलमीट एवं वर्कप्लेस प्लेटफार्म पर शैक्षणिक सामाग्री उपलब्ध कराने के लिये सभी शिक्षक–शिक्षकाओं से अनुरोध किया गया।

छात्राओं एवं पुराछात्राओं के फीडबैक (2020–21) का विश्लेषण –

कोविड–19 के संकटकाल के उपरान्त सत्र 2021–22 प्रारम्भ होना था जिसमे सत्र 2020–21 के प्राप्त 1510 फीडबैक पर विचार किया जाना था। महाविद्यालय की छात्राएं और पुराछात्राएं कोविड–19 अवधि में महाविद्यालय के कार्यशैली से अविभूत थी फिर भी उनके द्वारा दिये गये फीडबैक में जिन बिन्दुओं पर महाविद्यालय में और सुधार की आवशकता थी, पर विचार किया गया। इस बैठक में फीडबैक से हट कर भी छात्राओं के हित में शिक्षक–शिक्षिकाओं से प्राप्त सुझाओं पर भी विचार किया गया। विचारणीय बिन्दु इस प्रकार थे –

– महाविद्यालय द्वारा चलाये जा रहे ऑनलाईन कक्षाओं के समय को कम करने पर विचार।

– ऑनलाईन वेबिनार, प्रतियोगिताएं, संगीत और कला आदि के अवसरों में विचार।

– सत्र 2020–21 में अल्पकाल के लिए महाविद्यालय में प्रत्यक्ष कक्षाएं संचालित की गई थी जिसमें सेनिटाइज़ेशन और परस्पर दूरी को बनाये रखने में आने वाली कठिनाईयों और उनको दूर करने पर विचार।

– कोविड–19 नियमों के अन्तर्गत परस्पर दूरी को बनाये रखते हुए पुस्तकालय, क्रीडा परिसर, कौशल/प्रशिक्षण और परिवहन जैसी सुविधाओं को जारी रखने में आने वाली कठिनाईयाँ और उसे दूर करने पर विचार।

– छात्राओं को सामाजिक दायित्वों का बोध कराने के लिए किये जाने वाले प्रयासों पर विचार।

– प्रतियोगात्मक परीक्षाओं के लिए ऑनलाईन पाठ्य समाग्री उपलब्ध कराये जाने पर विचार।

– ऑनलाईन चिकित्सीय सुविधा जिसमें मनोचिकित्सक की ऑनलाईन सलाह की व्यवस्था सम्मलित हो पर विचार।

– ऑनलाईन छात्राओं को उनके दैनिक भोजन (न्यूट्रीशन) के सम्बन्ध में सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विचार।

कार्यवाही :

सत्र 2020–21 एक संकटकालीन दौर था। पूर्व से संचालित शिक्षण विधियाँ और शिक्षण सामाग्रीयाँ सब कुछ आप्रासंगिक हो चुकी थी। छात्राओं की ऑनलाईन परीक्षाएं सम्पादित करायी गयी। कोविड–19 के कारण विश्वविद्यालय द्वारा सामूहिक प्रोन्नति दी गयी। ऐसे में शिक्षा के स्तर को बनाये रखने के लिये महाविद्यालय को कठिन निर्णय लेने पड़े और कठोर कदम उठाने पड़े।

– छात्राओं को यूट्यूब चैनल, गूगलमीट एवं वर्कप्लेस पर पाठ्य सामाग्री उपलब्ध करायी गयी तथा समय सारणी के अनुसार नियमित कक्षाएं संचालित की गयी।

– परिसर/वाहनों में नियमित रूप से सेनेटाइज़ेशन एवं परस्पर दूरी बनाये रखते हुये क्रमवार प्रत्यक्ष कक्षाओं का संचालन किया गया।

– मनोरोग चिकित्सक डॉ0 अभिजीत श्रीवास्तव एवं डॉ0 गिरजेश श्रीवास्तव ने ऑनलाईन कांउसलिंग की सुविधा छात्राओं को दी गयी।

– ऑनलाईन आर्ट कम्पटीशन एवं संगीत गायन के कार्यक्रम आयोजित किये गये।

– जे0एन0यू0 नई दिल्ली के पर्यावरण विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 के0कृष्ण गोपाल सक्सेना की ऑनलाईन पर्यावरण संरक्षण पर संगोष्ठी आयोजित की गयी और छात्राओं ने अर्न्तराट्रीय पर्यावरण दिवस पर अपने–अपने घरों के आस–पास उपलब्ध स्थान पर 273 पीपल, पाकर, बरगद, नीम एवं गूलर के पौध रोपित कर उनके वीडियों प्रेषित किये गये।

– कोविड–19 टीकाकरण कैम्प महाविद्यालय परिसर में आयोजित कर छात्राओं और उनके अभिभावकों का टीकाकरण कराया गया।

– कोविड–19 के नियमों के कारण कैन्टीन की सुविधा एवं सांस्कृति कार्यक्रम स्थगित रहे।

– पुस्तकालय में परस्पर दूरी बनाये रखते हुए छात्राओं को प्रवेश की सुविधा दी गयी।

– क्रीडा प्रतिस्पर्धाओं में केवल उन्ही खेलों को सम्मलित किया गया जिनमें पर्याप्त परस्पर दूरी बनी रहे। ऐसे खेलों में बैटमिनटन, वॉलीबॉल, डिस्कस/जैवलिन थ्रो और एथलेटिक्स को प्राथमिकता दी गयी।

– क्वीज और सामान्य ज्ञान प्रतियोगिताऐं आयोजित की गई, जिससे बौद्धिक/तार्किक क्षमता में विकास हो सके।

– शुद्ध/शीतल पेयजल व्यवस्था के लिए आर0ओ0 विद् चिलर की व्यवस्था की गई। शैक्षणिक विधियों एवं शैक्षणिक परिवेश को ऑनलाईन एवं प्रत्यक्ष कक्षाओं दोनों के अनुरूप तैयार किया गया। जिससे छात्राओं को प्रत्यक्ष कक्षाओं में क्रमवार शिक्षक/शिक्षिकाओं से सीधे संवाद भी हो सके और इसके साथ–साथ ऑनलाईन पाठ्य सामग्री भी उपलब्ध हो सके। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के ई–पाठशाला पोर्टल पर भी शिक्षक/शिक्षिकाओं द्वारा लगभग 200 लेक्चर्स अपलोड किये गये।

– छात्राओं में सामाजिक दायित्यों का बोध कराने के लिये 04 ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर और 10 ब्लोवर मडिकल कॉलेज, प्रतापगढ़ को और लगभग 1000 से अधिक मॉस्क जन समान्य को महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा वितरित कराया गया।

– छात्राओं द्वारा कोविड पीडितों से ऑनलाईन सम्पर्क कर उन्हे बेड, ऑक्सीजन एवं एम्बुलेन्स की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिये एक टीम के रूप में कार्य करने को प्रेरित किया गया।

<u>नियोक्ता का फीडबैक विश्लेषण –</u>

महाविद्यालय की अधिकांश छात्राएं जिनकी सूचनाएं उपलब्ध हो सकी है वे राजकीय सेवा में है जिनके नियोक्ता का फीडबैक का मिलना सम्भव नही हो पा रहा है।

कार्यवाही :

महाविद्यालय की अधिकांश छात्राएं जिनकी सूचनाएं उपलब्ध हो सकी है वे राजकीय सेवा में है जिनके नियोक्ता का फीडबैक का मिलना सम्भव नही हो पा रहा है जिस कारण कोई कार्यवाही वांछित नही है।